

101

301(ZF)

2020

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट ] [ पूर्णांक : 100

- नोट : i) प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।  
ii) इस प्रश्न पत्र में दो खण्ड हैं, दोनों खण्डों के सभी प्रश्नों के उत्तर देना आवश्यक है ।

खण्ड - क

1. क) बालकृष्ण भट्ट द्वारा सम्पादित पत्र है  
i) हिन्दी प्रदीप  
ii) समालोचक  
iii) हंस  
iv) ब्राह्मण । 1

H985671

[ Turn over

301(ZF)

2

ख) 'अंधेर नगरी' के रचनाकार हैं

- i) जयशङ्कर प्रसाद  
ii) हरिकृष्ण प्रेमी  
iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र  
iv) वियोगी हरि । 1

ग) 'नीड़ का निर्माण फिर' की विधा है

- i) कहानी  
ii) उपन्यास  
iii) संस्मरण  
iv) आत्मकथा । 1

घ) डॉ० सम्पूर्णानन्द द्वारा सम्पादित पत्रिका है

- i) सरस्वती  
ii) धर्मयुग  
iii) मर्यादा  
iv) हंस । 1

ङ) हिन्दी की प्रथम कहानी माना जाता है

- i) नमक का दरोगा  
ii) उसने कहा था  
iii) अपना-अपना भाग्य  
iv) इन्दुमती । 1

H985671

2/क) 'नयी कविता युग' के कवि हैं

- i) भवानी प्रसाद मिश्र
- ii) अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'
- iii) सुमित्रानन्दन पंत
- iv) रामधारी सिंह 'दिनकर' । 1

ख) छायावाद की विशेषता है

- i) इतिवृत्तात्मकता
- ii) शृंगारिक भावना
- iii) सौन्दर्य एवं प्रेम
- iv) उपदेशात्मक वृत्ति । 1

ग) प्रयोगवाद के प्रवर्तक हैं

- i) जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
- ii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
- iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'
- iv) शिवमंगल सिंह 'सुमन' । 1

घ) 'जयचन्द्रप्रकाश' रचना है

- i) चन्द्रवरदायी की
- ii) भट्ट केदार की
- iii) नरपति नाल्ह की
- iv) विद्यापति की । 1

ड) सुमित्रानन्दन पन्त की रचना है

- i) यशोधरा
- ii) रसकलश
- iii) ग्रन्थि
- iv) राम की शक्तिपूजा । 1

3. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :  $5 \times 2 = 10$

कालिदास के काव्यों में यह जिस शोभा और सौकुमार्य का भार लेकर प्रवेश करता है, वह पहले कहाँ था । उस प्रवेश में नववधू के गृह-प्रवेश की भाँति शोभा है, गरिमा है, पवित्रता है और सुकुमारता है । फिर एकाएक मुसलमानी सल्तनत की प्रतिष्ठा के साथ-ही-साथ यह

मनोहर पुष्प साहित्य के सिंहासन से चुपचाप उतार दिया गया । नाम तो लोग बाद में भी लेते थे, पर उसी प्रकार बुद्ध और विक्रमादित्य का । अशोक को जो सम्मान कालिदास से मिला, वह अपूर्व था । सुन्दरियों के आसिंजनकारी नूपुरवाले चरणों के मृदु आघात से वह फूलता था ।

- i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) कालिदास के काव्यों में अशोक का प्रवेश किस प्रकार हुआ ?
- iii) किस काल में अशोक को साहित्य के सिंहासन से उतार दिया गया ?
- iv) अशोक को अपूर्व सम्मान किससे मिला ?
- v) किसके मृदु आघात से अशोक फूलता था ?

अथवा

जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह ऊर्जा का ही स्वरूप है । जैसा कि महर्षि अरविन्द ने कहा है कि हम भी ऊर्जा के ही अंश हैं । इसलिए जब हमने यह जान लिया है कि आत्मा और पदार्थ दोनों ही अस्तित्व का हिस्सा हैं, वे एक-दूसरे से पूरा तादात्म्य रखे हुए हैं तो हमें यह एहसास भी होगा कि भौतिक पदार्थों की इच्छा रखना किसी भी दृष्टिकोण से शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है ।

- i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का शीर्षक और लेखक का नाम लिखिए ।
- ii) जो कुछ भी हम इस संसार में देखते हैं वह किसका स्वरूप है ?
- iii) महर्षि अरविन्द ने अस्तित्व का हिस्सा किसको माना है ?
- iv) गद्यांश के आधार पर 'तादात्म्य' का आशय स्पष्ट कीजिए ।
- v) कैसी इच्छा रखना शर्मनाक या गैर-आध्यात्मिक बात नहीं है ?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :  $5 \times 2 = 10$

कृपानिधान सुजान संभु हिय की गति जानी ।

दियौ सीस पर ठाम बाम करि कै मनमानी ॥

सकुचति ऐचति अंग गंग सुख संग लजानी ।

जटा-जूट हिम कूट सघन बन सिमिटि समानी ॥

- उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और रचयिता का नाम लिखिए ।
- गंगा के हृदय की बात किसने जानी ?
- शिव जी ने किसे स्त्री मान लिया और कहाँ स्थान दे दिया ?
- गंगा को किस प्रकार का अनुभव हुआ ?
- गंगा को शिव के जटा-जूट कैसे लग रहे हैं ?

अथवा

सैकत शय्या पर दुग्ध धवल, तन्वंगी रांगा, ग्रीष्म विरल,  
लेटी है श्रान्त, क्लान्त, निश्चल !

तापस बाला, गंगा निर्मल, शशिमुख से दीपित मृदु करतल,  
लहरें उर कोमल कुन्तल !

गोरे अंगों पर सिहर-सिहर, लहराता तार-तरल सुन्दर

चंचल अंचल-सा नीलाम्बर !

- उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक और रचनाकार का नाम लिखिए ।

ii) रेत की शय्या पर क्षीणकाय थकी स्त्री-सी कौन लेटी हुई है ?

iii) गंगा का स्वरूप किस प्रकार दिखलायी पड़ रहा है ?

iv) किसके शरीर पर तारों के प्रतिबिम्ब लहरा रहे हैं ?

v) श्रान्त, क्लान्त और निश्चल का आशय स्पष्ट कीजिए ।

5. क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय, रचनाओं तथा भाषा-शैली का उल्लेख कीजिए :  $3 + 2 = 5$

i) वासुदेवशरण अग्रवाल

ii) जैनेन्द्र कुमार

iii) पं० दीनदयाल उपाध्याय ।

ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय देते हुए रचनाओं तथा भाषा शैली का उल्लेख कीजिए :  $3 + 2 = 5$

i) जयशंकर प्रसाद

ii) मैथिलीशरण गुप्त

iii) महादेवी वर्मा ।

6. 'खून का रिश्ता' अथवा 'लाटी' कहानी के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । 5

अथवा

कहानी के प्रमुख तत्वों के आधार पर 'ध्रुवयात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी का विवेचन कीजिए ।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्डकाव्य के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 5

- क) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

अथवा

'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- ख) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर 'राज्यश्री' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

- ग) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्राङ्कन कीजिए ।

अथवा

'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अभिशाप' सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

- घ) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की प्रमुख घटना का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

अथवा

'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं का वर्णन कीजिए ।

- ङ) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

अथवा

'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की विशेषताएँ संक्षेप में प्रस्तुत कीजिए ।

- च) 'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

अथवा

'आलोकवृत्त' खण्डकाव्य के आधार पर महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

## खण्ड - ख

8. क) निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :  $2 + 5 = 7$
- इयं भाषा अस्माभिः मातृसमं सम्माननीया वन्दनीया च, यतो भारतमातुः स्वातन्त्र्यं, गौरवं, अखण्डत्वं, सांस्कृतिकत्वञ्च संस्कृतेनैव सुरक्षितं शक्यन्ते । इयं संस्कृतभाषा सर्वासु भाषासु प्राचीनतमा श्रेष्ठा चास्ति । ततः सुष्ठूक्तम् 'भाषासु मुख्या मधुरा दिव्या गीर्वाणभारती' इति ।

## अथवा

युवकः मालवीयः स्वकीयेन प्रभावपूर्णभाषणेन जनानां मनांसि अमोहयत् । अतः अस्य सुहृदः तं प्राडविवाकपदवीं प्राप्य देशस्य श्रेष्ठतरां सेवां कर्तुं प्रेरितवन्तः । तदनुसारम् अयं विधिपरीक्षामुत्तीर्य प्रयागस्थे उच्चन्यायालये प्राडविवाककर्म कर्तुमारभत । विधेः प्रकृष्टज्ञानेन मधुरालापेन उदारव्यवहारेण चायं शीघ्रमेव मित्राणां न्यायाधीशानाञ्च सम्मानभाजनमभवत् ।

- ख) निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए :  $2 + 5 = 7$
- अमी पवनविक्षिप्ता विनदन्तीव पादपाः ।  
षट्पदैरनुकूजद्भिः वनेषु मदगन्धिषु ॥
- सुपुष्पितांस्तु पश्यैतान् कर्णिकारान् समन्ततः ।  
हाटकप्रतिसंछन्नान् नरान् पीताम्बरानिव ।

## अथवा

अनाकृष्टस्य विषयैर्विद्यानां पारदृश्वनः ।

तस्य धर्मरतेरासीद् वृद्धत्वं जरसा बिना ॥

प्रजानां विनयाधानाद् रक्षणाद् भरणादपि ।

सा पिता पितरस्तासां केवलं जन्महेतवः ॥

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए :  $2 + 2 = 4$
- i) भोजः क्विम् किं अपृच्छत् ?
- ii) कस्य कामाय सर्वं प्रियं भवति ?
- iii) महर्षेः दयानन्दस्य पितुः किं नाम आसीत् ?

10. क) भयानक रस अथवा वीर रस की परिभाषा लिखिए और उसका एक उदाहरण भी दीजिए ।  
1 + 1 = 2
- ख) श्लेष अलंकार अथवा अतिशयोक्ति अलङ्कार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण भी दीजिए ।  
1 + 1 = 2
- ग) रोला छंद अथवा बसन्ततिलका छन्द का लक्षण लिखते हुए उसका एक उदाहरण भी दीजिए ।  
1 + 1 = 2
11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : 2 + 7 = 9
- भारतीय किसानों की समस्याएँ
  - वन महोत्सव
  - पर्यावरण संरक्षण
  - 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई'
  - स्वास्थ्य शिक्षा से लाभ ।
12. क) i) 'उपोषति' का सन्धि-विच्छेद है
- उप + ओषति
  - उपो + षति
  - उ + पोषति
  - उप + औषति । 1

- ii) 'रामष्ठीकते' का सन्धि-विच्छेद है
- रामश् + टीकते
  - रामस् + टीकते
  - राम् + ष्ठीकते
  - राम + स्टीकते । 1
- iii) 'पुनारमते' का सन्धि-विच्छेद है
- पुना + रमते
  - पु + नारमते
  - पुनर् + रमते
  - पुनार + मते । 1
- ख) i) 'अनुदिनम्' में समास है
- कर्मधारय समास
  - तत्पुरुष समास
  - बहुव्रीहि समास
  - अव्ययीभाव समास । 1
- ii) 'नीलकण्ठः' में समास है
- द्विगु समास
  - द्वन्द्व समास
  - बहुव्रीहि समास
  - कर्मधारय समास । 1

13. क) i) 'राज्ञे' रूप है राजन् शब्द का  
 अ) सप्तमी विभक्ति, बहुवचन  
 ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन  
 स) षष्ठी विभक्ति, द्विवचन  
 द) तृतीया विभक्ति, एकवचन । 1

- ii) 'एभिः' रूप है इदम् शब्द पुलिङ्ग का  
 अ) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन  
 ब) तृतीया विभक्ति, बहुवचन  
 स) पञ्चमी विभक्ति, एकवचन  
 द) सप्तमी विभक्ति, द्विवचन । 1

- ख) 'तिष्ठत' अथवा 'कुर्यात्' किस धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का रूप है ?

$$\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 2$$

- ग) i) 'गतः' शब्द में प्रत्यय है  
 अ) तव्यत्  
 ब) अनीयर्  
 स) क्त्वा  
 द) क्त । 1

- ii) 'कटुत्व' शब्द में प्रत्यय है  
 अ) मतुप्  
 ब) त्व  
 स) वतुप्  
 द) तल् । 1

- घ) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए :

$$1 + 1 = 2$$

- i) ग्रामं समया विद्यालयः अस्ति ।  
 ii) रामेण सह सीता वनम् अगच्छत् ।  
 iii) इन्द्राय वषट् ।

14. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए :

$$2 + 2 = 4$$

- i) सड़क के दोनों ओर वृक्ष हैं ।  
 ii) मैं मोहन के साथ घर जाऊँगा ।  
 iii) श्री गणेश को नमस्कार है ।  
 iv) कालिदास कवियों में श्रेष्ठ हैं ।

301(ZF) - 1,60,000